NETAJI SUBHASH CHANDRA BOSE GIRLS POST GRADUATE COLLEGE, ALIGANJ, LUCKNOW,

UTTAR PRADESH.

Accredited grade 'B' by NAAC

REPORT

LIVE COLLOQUIUM

ON

"VOCAL FOR LOCAL": ISSUES AND CHALLENGES

9 June 2020 at 10 a.m.

Introduction.

Honorable prime Minister Mr Narendra modi has asked the people of the country to concentrate more on using product that are made in India. But most of us do not do that people try to buy more foreign products and depend on brands for their status symbol. So, the commerce department organise this colloquium to focus on the methods to aware "Vocal for Local"aware the students and public about the various plans declared by the government to Indian goods"Local for Global" .

Programme Schedule

for

LIVE COLLOQUIUM for "Vocal for Local : Issues and Challenges"

Date and Time June 09,2020 at 10.00 AM

Time	Topic Name	Speaker Name
10.00 to 10.10 AM	Introduction to Colloquium	Dr. Kranti Singh- Convener
10.10 to 10.20 AM	Welcome Address	Dr. Bhaskar Sharma- Organizing Secretary
10.20 to 11.00AM	Economics Aspects of "Vocal for Local"	Dr. Manjula Upadhyay- Distingushed Speaker
11.00 to 11.40AM	Marketing Aspects of "Vocal for Local"	Dr. Kaushiki Singh-Eminent Speaker
11.40 to 12.00 AM	Question & Answer Session	Dr. Rashmi Agarwal- Co-convener
12.00 to 12.15 AM	Conclusion of Colloquium and Vote of Thanks	Prof. Anuradha Tiwari- Patron/Principal

INAUGURAL SESSION

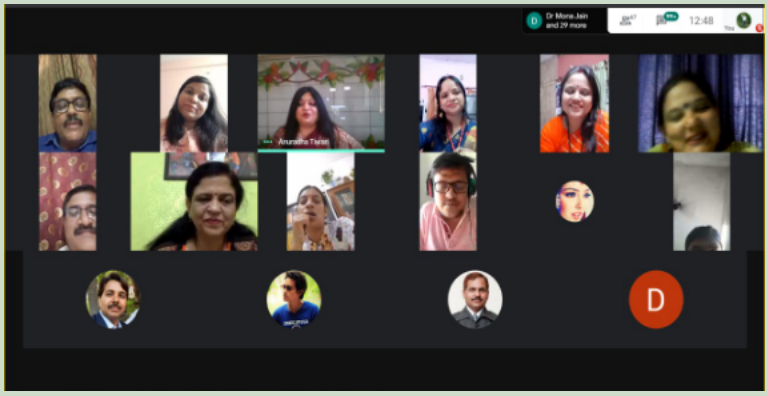

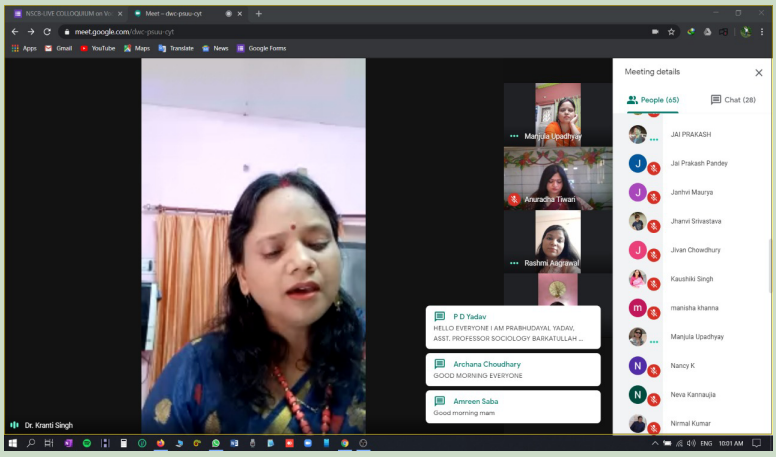

The inauguration of live colloquium starts at sharp 10:00 a.m. with auspicious words of Dr. Kranti Singh convenor of colloquium she welcomes all participants from different states chief guest professor Anuradha Tiwari pricipal of the college and distinguish speaker associate professor Dr. Manjula upadhyay and Dr. Kaushiki Singh. Then Dr.Bhaskar Sharma had presented a beautiful poem on covid -19 with the welcome note as an organising secretary. The theme of the colloquium presented by Dr. Kranti Singh Head of the department (commerce).

FIRST TECHNICAL SESSION

In the first technical session Dr manjula upadhyay

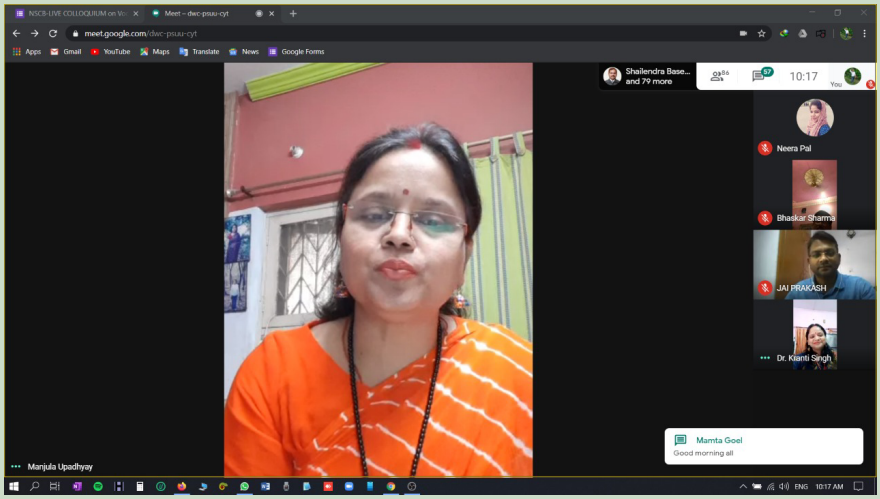

associate professor A.P.Sen Memorial postgraduate degree College discussed alld economic aspects of the topic that is slogan vocal for local. she also explained all the program launched by the government to promote MSME and Indian manufacturing industries. She said vocal for local is not only a slogan of necessary but is our responsibility and we must attach with nationalism.

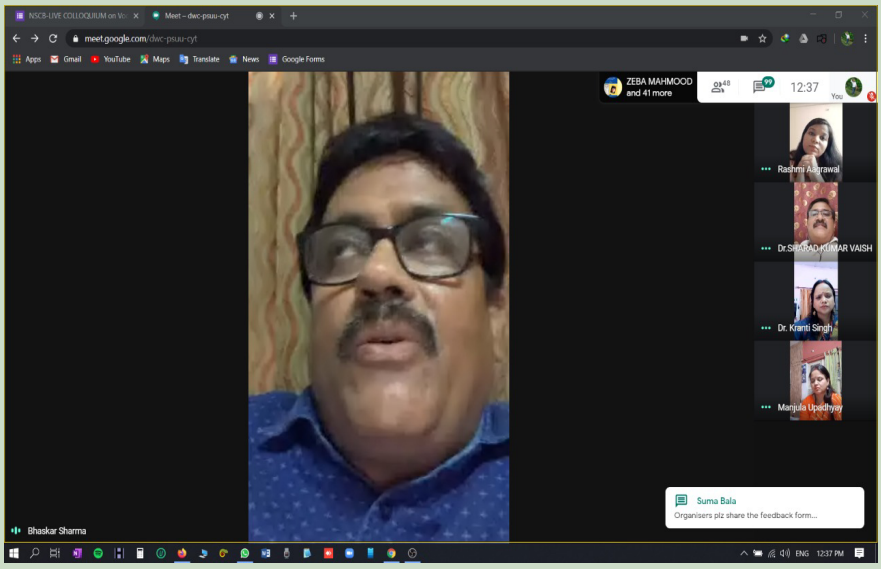

SECOND TECHNICAL SESSION

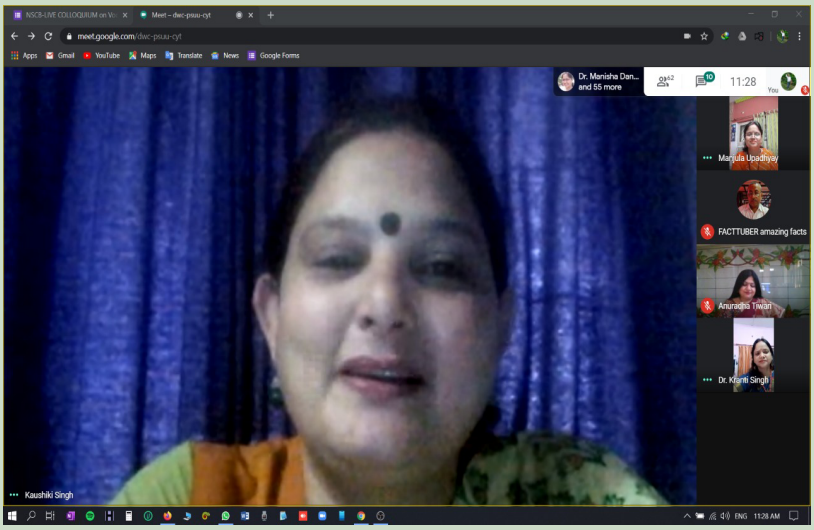

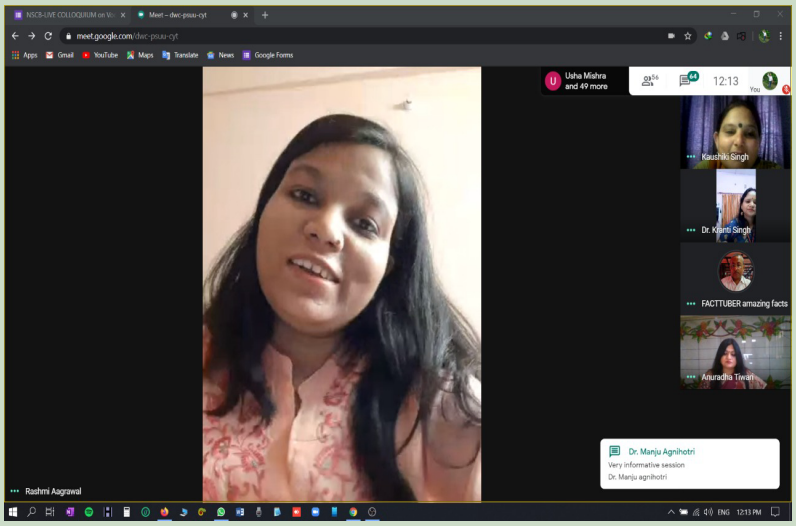

In the second technical session Dr. Kaushiki Singh from Dr Shakuntala misra National Rehabilitation University ,Lucknow focus on all all these aspects of the topic. Basically, provoke that all Indian must see with the name of a manufacturing country before purchasing all daily life goods as well as all other goods like mobile computer all automobiles and textile quotes she presents all aspects very beautifully with an impressive PPT presentation.

VALIDICTORY This session started with question and answer session which is conducted by Dr Rashmi Agarwal as co-convenor of the colloquium and end with the well explained conclusion of the colloquium by chief guest Professor Anuradha Tiwari principal of the college. She shower her blessing to organiser and all participants and a formal thank you to speakers.

2:23

वाणिज्य विभाग की ऑनलाइन गोष्ठी संपन्न

June 09, 2020

वोकल फ़ार लोकल की अवधारणा पहले भी किसी न किसी रूप में भारत में रही है।चाहें स्वदेशी आन्दोलन या महात्मा गांधी के लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की बात हो या पंडित दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानव वाद का विचार अथवा दत्तोपंत ठेंगरी का स्वदेशी के प्रति आग्रह किसी न किसी रूप में लोक़ल के प्रति समर्पित रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रत्येक आवाहन चाहें वो स्वच्छ भारत अभियान हो अथवा स्वेच्छा से समर्थ लोगों का सब्सिडी छोड़ने की बात लोगों ने प्रधानमंत्री की बात का सम्मान किया है।

उक्त विचार प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने आज नेताजी जी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित एक ओनलाइन विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किये।ए पी सेन डिग्री कालेज में अर्थशास्त्र विभाग की प्रोफेसर डाक्टर मंजुला ने कहा कि लोकल उत्पाद को बढावा तभी मिलेगा जब हम उसे न केवल ख़रीदेंगे

लोकल उत्पाद को बढ़ावा तभी मिलेगा जब हम उसे न केवल खरीदेंगे बल्कि उस पर विश्वास भी करेंगे : डॉ मंजुला

कलम हिन्दुस्तानी संवाददाता
हुसम नकवी

सीतापुर। वोकल फार लोकल की अवधारणा पहले भी किसी न किसी रूप में भारत में रही है।चाहें स्वदेशी आन्दोलन या महात्मा गांधी के लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की बात हो या पंडित दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानव वाद का विचार अथवा दत्तोपंत ठेंगरी का स्वदेशी के प्रति आग्रह किसी न किसी रूप में लोकल के प्रति समर्पित रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रत्येक आवाहन चाहें वो स्वच्छ भारत अभियान हो अथवा स्वेच्छा से समर्थ लोगों का सब्सिडी छोड़ने की बात लोगों ने प्रधानमंत्री की बात का सम्मान किया है।

उक्त विचार प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने आज नेताजी जी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित एक ओनलाइन विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किये।ए पी सेन डिग्री कालेज में अर्थशास्त्र विभाग की प्रोफेसर डाक्टर मंजुला ने कहा कि लोकल उत्पाद को बढ़ावा तभी मिलेगा जब हम उसे न केवल खरीदेंगे बल्कि उस पर विश्वास भी करेंगे।उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा कोविड के बाद घोषित बीस लाख करोड़ के पैकज का विस्तार से विवेचन करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री ने निश्चय कर लिया है कि देश में एम एस एम ई सेक्टर के द्वारा बेरोजगारी दूर की जा सकती है।उन्होंने कहा कि हमें अपने उत्पादों को राष्ट्रीयता की भावना से जोड़ना होगा। डाक्टर उपाध्याय ने मोदी जी के इन विचारों को बहुत महत्वपूर्ण बताया कि लोकल हमारी जरूरत ही नहीं ज़िम्मेदारी भी है इसके लिए उन्होंने डाबर और अमूल और पतंजलि के उत्पादों का उदाहरण दिया।उन्होंने कहा कि हरित क्रांति के ज़रिये हम अन्न के क्षेत्र में आत्म निर्भर हैं एवं इस विपदा की घड़ी में हमारे पास पर्याप्त अन्न भंडार है।उन्होंने प्रदेश सरकार के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट का हवाला देते हुये कहा कि इसमें आशातीत सफलता मिली है।उन्होंने ये भी कहा कि इज ऑफ डोईंग को अपनाते हुये घरेलू उद्योगों को बाधाओं को दूर करना होगा जिससे उन्हें लालफीताशाही का शिकार होने से बचाया जा सके।

गोष्ठी का शुभारम्भ वाणिज्य विभागाध्यक्ष तथा गोष्ठी की समन्वयक डाक्टर क्रान्ति सिंह ने वैदिक मंत्रों के साथ करते हुये विषय प्रवर्तन किया तथा थीम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला तथा कहा कि ये अत्यन्त सम सामयिक है।गोष्ठी के आयोजक सचिव डाक्टर भास्कर शर्मा ने वक्ताओं का परिचय दिया।उन्होंने कहा कि वोकल फार लोकल केवल उत्पाद का ही नहीं अपितु भाषा और संस्कृति के प्रति भी होना चाहिये।उन्होंने अपनी कविता का पाठ भी इस अवसर पर किया।

गोष्ठी की विशिष्ट वक्ता के रूप में मौजूद डाक्टर शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि की वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर कौशिकी सिंह ने पी पी टी के माध्यम से वोकल फार लोकल की अवधारणा को स्पष्ट किया।उन्होंने कहा कि ये मात्र कोई नारा नहीं है बल्कि विकसित भारत के लिये हमारा मार्गदर्शन भी करेगा।उन्होंने कहा कि इसका मतलब विदेशी सामानों का बहिष्कार नहीं बल्कि अपने देश के उत्पादों को गुणवत्ता पूर्ण तथा अन्तरराष्ट्रीय स्तर का बनाना है।उन्होंने स्वदेशी उत्पादों की वकालत करते हुये उसके अधिक से अधिक प्रचारित करने पर जोर दिया।स्वदेशी उद्यमियों को प्रोमोट करने की सबसे अधिक जरूरत है।उन्होंने स्वदेशी उत्पादों का विक्रय ई_ड्रैग्र् के ज़रिये करने की आवश्यकता पर बल दिया।डाक्टर कौशिकी ने कहा कि जो दिखता है वो बिकता है इसलिये हमें मार्केटिंग का फंडा समझना होगा।लोकल को जीवन का मंत्र बनाना होगा।अगर अन्तर राष्ट्रीय उत्पादों के सामने ठहरना है तो हमें अपने प्रोडक्ट को दमदार तथा प्रतियोगी स्तर का बनाना होगा।ऐसे प्रोडक्ट को बनाना होगा जो ग्लोबल स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि हम लोकल के प्रति अपनी झिझक को हटायें तथा राष्ट्र हित में अपने देश के प्रोडक्ट को बढ़ावा दें।उन्होंने ज्वलन्त तथा सम सामयिक विषय पर गोष्ठी आयोजित करने के लिये वाणिज्य विभाग को बधाई दी तथा सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।गोष्ठी की सह समन्वयक डाक्टर रश्मि अग्रवाल ने सभी अतिथियों का आभार करते हुये प्रश्न मंच का अत्यन्त सफलता पूर्वक संचालन कि या तथा श्रोताओं और शोधार्थियों की ओर से आये प्रश्नों का प्रस्तुतीकरण किया। इस गोष्ठी में देश के लगभग प्रत्येक प्रान्त से शिक्षाविदों शिक्षकों शोधार्थियों तथा अन्य लोगों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया।